सांध्य दैनिक

क्राईम स्टेरी

देहरादून, सोमवार 22 मई 2017 (RNI No. UTTHIN/2009/30725) वर्ष 8, अंक 267 पृष्ठ 8 1.00 रूपये

फिर दहाड़े माओवादी

अल्मोडा में फिर सरकार के खिलाफ लगे पोस्टर

कपिल मल्हौत्रा/हर्ष तनेजा

देहरादून/अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड सरकार के मुखिया ने डीजीपी व खुफ्मिा विभाग के चीफको माओवादियों पर नकेल लगाने व उनके खिलाफऑपरेशन चलाने

शराब बंदी तक संघर्ष का अल्टीमेटम

का फरमान जारी किया था जिसके बाद डीजीपी ने हुंकार लगाई थी कि माओवादियों के खिलाफ राजस्व इलाकों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया जायेगा वहीं पुलिस अफसरों ने पहाडों के चंद जनपदों में पुलिस थाने खोलने का दावा किया। वही अल्मोडा में एक बार फिर माओवादियों ने सरकार के खिलाफ दहाड़ लगाई है और उन्होंने एक राजकीय इंटर कालेज में सरकार के खिलाफपोस्टर लगाते हुए दावा किया है कि वे नेपाल से नहीं आये हैं और यहीं के है तथा उत्तराखण्ड को नशामुक्त राज्य बनाने के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

प्रदेश में जिस तेजी के साथ एक के बाद एक वारदात को अंजाम दे माओवादियों ने ये साफ कर दिया है कि उनमें कानून का कितना डर है? अगर धरातल की बात करे तो वो बता रही है कि माओवादी किस तरह बेलगाम हो चुके है और वो जहां भी चाहते है वहां पर लाल फत्तवें को जारी कर देते है लेकिन शासन प्रशासन किसी को भी कानों कान भनक तक नहीं पाती है और ये इस छोटे से प्रदेश के लिये शुभ सकेंत नहीं है। जिस तरह से छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा में हुये हमले में 24 जवान शहीद हो गये थे और पूरे देश में इसके खिलाफ गुस्सा देखा गया तथा सुरक्षा दावों पर कई सवाल खड़े हुये तो क्या उत्तराखण्ड़ में भी क्या सुकमा टू के इंतजार में बैठा है खुफ्मिां तंत्र या शासन प्रशासन? माओवादी बेलगाम होके कुमाउ में एक के बाद एक वारदात को अंजाम दे गायब हो जाते है और किसी को कानों कान भनक भी नहीं लग पाती है। आज जिस तरह से माओवादियों में पोस्टर चस्पा कर ये ऐलान कर दिया कि वो नेपाल के नहीं यहां के है और अपनी बात को रखा है अगर जल्द ही इन पर लगाम नहीं लगी तो इसके परिणाम बेहद ही घातक हो सकते है? कुछ माह पूर्व ही प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुये है और चुनावों के समय जिस बुलन्द आवाज में भाजपा के नेताओं ने सुशासन और अपराध मुक्त वातावरण का नारा दिया और बहुत लम्बी लम्बी बाते कहीं थी उन बातों में कितना दम है और आवाम को कितना बेखौफ माहौल मिल रहा है इस बात को जनपद अल्मोड़ा में एक के बाद एक माओवादियों की दस्तक अपने आप ही ब्यान कर रही है और जिस तरह से वो जनता को विद्रोह की राह पर ले जाने का कार्य करने में लगे हुये है अगर जल्द ही सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो कही ऐसा न हो जाये कि इतनी देरी हो जाये कि जनता माओवादियों के कहने पर चलने लगे और मामला हद से आगे निकाल जाये? ऐसा नहीं है कि ये कोई पहली बार माओवादियों ने अंगारे उगले हो, अगर हम इतिहास के पन्नों को पलटेंगे तो इस बात का इल्म हो जायेंगा कि माओवादियों के हौसले कितने बुलन्द है और सुरक्षा की बाते करने वालो नौकरशाहों के दावों में कितना दम है, माओवादियों की दबंगता का तो उसी समय ऐहसास पूरे प्रदेश को हो गया था जब उन्होंने एक सरकारी वाहन को आग के हवाले कर दिया था ओर सरकार विरोधी नारो के लाल फत्तवे जारी किये थे, उससे पहले भी वो पहाड़ की वादियों में अपना जहर फैला चुके है और कई बार जनता को विद्रोह की राह पर चलने की हुंकार भर चुके है लेकिन आज तक खुफ्मिां तंत्र से लेकर कोई भी नौकरशाह इनतक नहीं पहुंच सका है और इनके हौसले आये दिन आसमां छुते जा रहे है और जनता को खौफके माहौल में जीने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

उत्तराखण्ड की खुफिया एजेंसियां

सरकार के नाक-कान फेल!

आतंक-माओवाद पर खुफिया एजेंसियां धड़ाम

देहरादून। उत्तराखण्ड में सरकार के नाक-कान माने जाने वाली खुफ्मिा एजेंसियों का काम सिर्फराजनेताओं की गतिविधियों पर केन्द्रित होकर रह गया है और उनका आतंकवाद व माओवाद पर नजर रखने का जज्बा वर्षों से ही चारो खाने चित हो चुका है ऐसे में खुफ्मिा विभाग की लम्बीचौडी फौज पर सरकार हर माह लाखों रूपये क्यों खर्च कर रही है यह समझ से परे है। खुफ्मिा एजेंसियां सिर्फचंद बंग्लादेशियों व बिना वीजा के रह रहे चंद विदेशियों को पकडकर ही अपने आपको बलवान समझने में लगी हुई है। उत्तराखण्ड में अगर खुफ्मिा एजेंसियों का मिशन आतंकवाद व माओवाद पर नकेल लगाने का होता तो बार-बार माओवादी सरकार व पुलिस महकमें को खुली चुनौती देने के लिए आगे नहीं आते। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब राज्य की खुफ्मिा एजेंसियों का नेटवर्क ही धडाम हो रखा है तो वह आतंकवाद पर नकेल लगाने के लिए किस रणनीति के तहत काम कर रही होगी इसका अंदाजा अपने आप लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर कहा जाये तो उत्तराखण्ड में सरकार के नाक-कान फेल ही दिखाई दे रहे हैं जिससे माओवादियों के हौसले रात-दिन बुलंद होते जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड में खुफ्मिा एजेंसियों का नेटवर्क तो लम्बा चौडा बना हुआ है और खुफ्मिा एजेंसियों का एक कार्यालय तो इतना हाईटेक बनाया गया है कि वहां किसी को भी अन्दर जाने से पहले सुरक्षा का घेरा पार करना पडता है। खुफ्मिा एजेंसियों का नेटवर्क आतंकवाद व माओवाद को लेकर ही फेल नहीं हो रहा बल्कि दर्जनों बार सरकार के खिलाफबगावत करने वालों के बारे में भी प्रदेश की खुफ्मिा एजेंसियों को भनक तक नहीं लग पाई थी जिसके चलते चंद पूर्व मुख्यमंत्रियों को अपनी कुर्सी तक गवानी पड गई थी और उसके बाद से ही सवाल उठ रहे थे कि आखिरकार खुफ्मिा की लम्बी चौडी फौज को राज्य में किस बात के लिए तैनात किया गया है? खुफ्मिा के चंद कर्मचारियों को राजनीतिक हालात पर नजर रखने के लिए तैनात किया जाता है और वह इस बात का पता लगाने में जुटे रहते हैं कि कहीं सरकार के खिलाफविरोधी या पार्टी के लोग बगावत का झण्डा तो नहीं उठा रहे लेकिन उत्तराखण्ड के तीन-तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के खिलाफपार्टी के ही लोगों ने बगावत की लेकिन खुफ्मिा एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लग पाई थी वहीं जब कांग्रेस के कद्दावर नेता सतपाल महाराज ने भाजपा का दामन थामा था तब भी खुफ्मिा एजेंसियों का नेटवर्क फेल हो गया था। सरकार ने कभी भी खुफ्मिा एजेंसियों को इस बात के लिए कटघरे में खडा नहीं किया कि कैसे उन्हें इस बात का इल्म नहीं हो पाता कि सरकार के खिलाफकौन-कौन राजनेता बगावत का झण्डा उठाये हुए है। उत्तराखण्ड में त्रिवेन्द्र सरकार ने जब से पदभार संभाला है तब से पार्टी के ही कुछ नेता सरकार के मुखिया के खिलाफपर्दे के पीछे रहकर अपना गेम प्लान तैयार करने में लगे हैं लेकिन खुफ्मिा एजेंसियां शायद अभी इस खतरे को नहीं भाप पा रही है और वह पूर्व की भांति अपने कामकाज को अंजाम देने में लगी हुई है। उत्तराखण्ड में आतंकवाद व माओवाद का खतरा हमेशा सिर पर खडा रहता है लेकिन खुफ्मिा एजेंसियां इनके नेटवर्क को भेदने के बजाए खमोशी से अपने दूसरे मिशन में लगी रहती है जिससे माओवादियों ने एक बार फिर राज्य में सिर उठाना शुरू कर दिया है।

कान फिल्म फेस्टिवल पहुंचीं ऐश्वर्या ने बिखेरा जलवा

7०वें कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए ऐश्वर्या राय बच्चन फ्रांस के शहर कान पहुंच गई हैं. कान फेस्टिवल में एश्वर्या के पहले फोटो शूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहीं. तस्वीरों में एश्वर्या ने हरे रंग का गाउन पहना है जिसमें कई रंग के बड़े-बड़े फूल बने है. इस ड्रेस में एश्वर्या ने फोटोग्राफर्स को कई पोज दिए. आप भी देखें तस्वीरें.

गुरुवार दोपहर ऐश्वर्या को बेटी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए देखा गया. मां-बेटी के यह जोड़ी होटल मार्टिनेज़ के बाहर निकलती नजर आई. फेस्टिवल से पहले ऐश्वर्या ने बेटी आराध्या के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड किया. इस दौरान ऐश्वर्या व्हाइट पेंटसूट में काफी खूबसूरत लग रही थीं. वहीं, 5 साल की आराध्या को क्यूट पिंक फ्लोरल ड्रेस में देखा गया. फोटोग्राफर्स को देख आराध्या पोज देती दिखाई दीं.

जानकारी के अनुसार कॉस्मेटिक ब्रांड लॉरियल पेरिस को प्रिजेंट कर रहीं ऐश्वर्या 19 और 2० मई को कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर नजर आएंगी. रिपोर्ट के मुताबिक, वह लॉरियल पेरिस ऑपन एयर सिनेमा के अंतर्गत इस फिल्म को 2० मई को पेश करेंगी. यह कान फिल्म फेस्टिवल में ऐश्वर्या का 16वां साल होगा. 2००2 में पहली बार उन्होंने इसके रेड कारपेट पर देवदास को डायरेक्टर संजय लीला भंसाली और शाहरुख खान के साथ पेश किया था.

कैटरीना नहीं 'साहो' में प्रभास से नैना लडाती नजर आएंगी पूजा हेगडे!

गत वर्ष की सबसे बडी असफल फिल्म 'मोहेनजो दारो' में ऋतिक रोशन के साथ अपना डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा हेगडे की तकदीर ने पलटा खाया है। हिन्दी फिल्मों में अपनी असफल शुरूआत से करियर को पुन: शुरू करने वाली पूजा के हाथ एक बडी फिल्म लगने के समाचार आ रहे हैं। यदि यह समाचार सही हैं तो निश्चित रूप से इस बार पूजा को असफलता हाथ नहीं लगेगी बल्कि उन्हें हिन्दी के साथ-साथ तमिल और तेलुगू फिल्मों में भी पहचान मिलेगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार पूजा हेगडे को बाहुबली स्टार प्रभास की आगामी फिल्म 'साहो' में लेने के प्रयास चल रहे हैं। इस फिल्म के टीजर को 28 अप्रैल को प्रदर्शित हुई 'बाहुबली-2' के साथ जोडा गया था। टीजर को दर्शकों ने बेहद पसन्द किया है। कुछ दिनों पहले तक इस फिल्म में कैटरीना कैफ के होने की बात सामने आ रही थी लेकिन फिर निर्माताओं द्वारा इस खबर का खंडन किया गया और कहा गया कि कैटरीना कैफ को इस फिल्म का प्रस्ताव नहीं दिया गया है। इसके बाद श्रद्धा कपूर को लेकर समाचार आ रहे थे लेकिन अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार आशुतोष गोवारिकर की खोज पूजा हेगडे को प्रभास के साथ 'साहो' में रोमांस करते देखा जायेगा। हालांकि अभी तक इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं आई है। काफी दिनों से श्रद्धा कपूर को प्रभास के साथ लेने के बात चल रही थी। श्रद्धा कपूर खुद भी बाहुबली फेम के साथ काम करने के लेकर बेहद उत्साहित थी। उन्हें तो फिल्म की कहानी भी बेहद पसंद आई थी पर बजट की वजह फिल्म श्रद्धा के हाथ से निकल गई। इस फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर ने 8 करोड रुपए की डिमांड की, जो कि तमिल फिल्मों के हिसाब से अभिनेत्रियों को दिये जाने वाले पारिश्रमिक से ज्यादा था। कैटरीना कैफ के साथ भी पारिश्रमिक को लेकर अडचनें हैं।

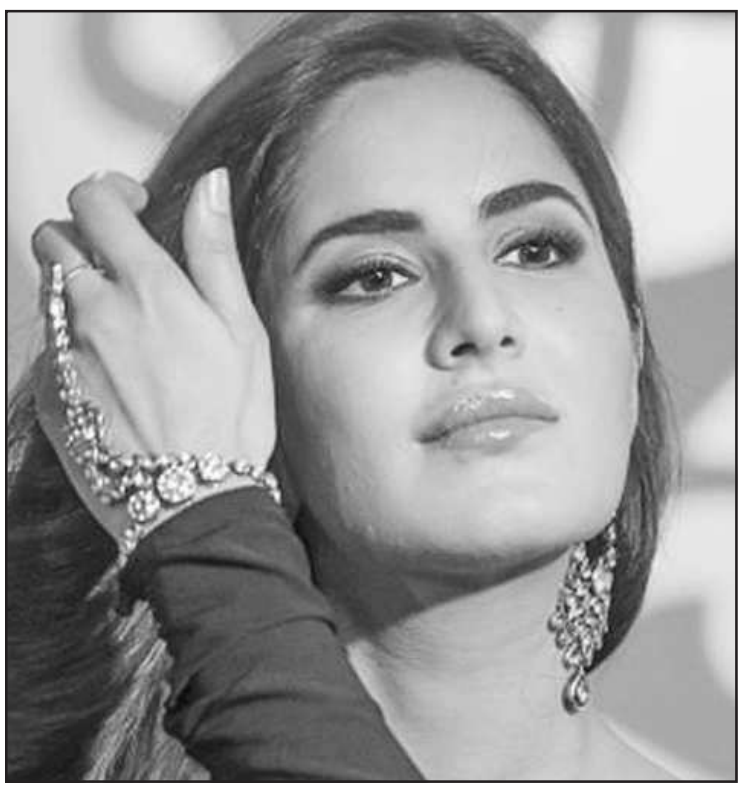

'हेलन' पर फिल्म बनायेंगे सलीम और सलमान खान, कैटरीना हो सकती हैं!

हिन्दी फिल्म उद्योग में कैबरे चीन के नाम से ख्यात रही अभिनेत्री 'हेलन' पर अभिनेता सलमान खान अपने पिता सलीम खान के साथ मिलकर फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि अपनी सौतेली मां हेलन की बायोपिक को लेकर सलमान खान खासे उत्साहित हैं। हिन्दी फिल्मों के स्वर्णिम काल 6० से 8० के दशक की कैबरे क्वीन के तौर पर जानी जाने वाली हेलन बर्मा से शरणार्थी के तौर पर मुंबई आकर बसी थीं। उन्होंने अपने परिवार का पेट पालने के लिए डांस करना शुरू किया था। अपने समय की बेहतरीन नृत्यांगनाओं में शामिल अभिनेत्री कुक्कू ने उन्हें फिल्मों में काम दिलवाया था। शबिस्तान और आवारा (1951) जैसी फिल्मों में बतौर कोरस डांसर अपना करियर शुरू करने वाली हेलन को एकल नृत्यांगना के तौर वर्ष 1954 में अलिफ लैला नामक फिल्म में नृत्य करने का मौका मिला और उन्हें ख्याति मिली 1958 में प्रदर्शित शक्ति सामंत निर्देशित अशोक कुमार और मधुबाला अभिनीत 'हावडा ब्रिज' से जिसमें उन्होंने मेरा नाम 'चिन चिन चू, चिन चिन चू' नामक गीत पर नृत्य किया था। उस वक्त हेलन की उम्र 19 वर्ष थी। इसके बाद 6० और 7० का दशक ऐसा रहा जिसमें हेलन ने अनगिनत फिल्मों में काम किया। उनके शुरूआती करियर में गीता दत्त ने सर्वाधिक गीत उनके लिए गाये। उसके बाद सबसे ज्यादा गीत आशा भोंसले ने गाये हैं।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
सोमवार, 22 मई 2017

P अ विद्या बालन की इस फिल्म से डेब्यू कर रही लोकप्रिय आर.जे.

अभिनेत्री विद्या बालन अभिनीत 'तुम्हारी सुलु' फिल्म के साथ लोकप्रिय आर.जे. मलिष्का बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। मलिष्का फिल्म में भी एक रेडियो जॉकी का किरदार ही निभा रही हैं। मलिष्का ने कहा, 'मैं विद्या से पहली बार सेंट जेवियर्स कॉलेज में मिली थी, तब मैं कुछ भी नहीं थी और वह पहले ही मल्हार महोत्सव के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन समितियों का नेतृत्व कर रही थी। उनके साथ मेरी कई यादें हैं और वह बहुत प्यारी हैं और वह सकारात्मक लोगों में से हैं।' विद्या को राजकुमार हिरानी की फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' के लिए आरजे की भूमिका के लिए मलिष्का ने ही प्रेरित किया और अब वह टी-सीरीज और एलीपिस एंटरटेंमेंट की आगामी फिल्म में अभिनय करेंगी।

'कट गए बाजं के पेड़, सुख गए जलस्त्रोत'

2010 में था घना वन, सत्रह आते ही जंगल हुआ गायब

चंद्र प्रकाश बुड़ाकोटी 'प्रकाश'

टिहरी। एक तरफ हिमालयी छेत्र में पर्यावरणीय संतुलन बनाये रखने वनो की रक्षा के लिए देश में बड़े पर्यावरण बिद चिंतत है। दूसरी और बहुमंजिला अनेक निर्माण के लिए बांज के पेड़ो पर आरियां चलाई जा रही है।जिम्मेदार बिभाग आँख मुदें बैठे है।बन रक्षा में लगाई गई लंबी फेज के कानो जूं तक नही रेंग रही है। जबाबदेही का कितना पालन हो रहा है इसका एक ताजा उदहारण टिहरी जनपद के नरेंद्र नगर ,पट्टी धमंसु स्थित खाता संख्या 511 में खसरा नंबर 512 और 514 एवम् 605 मौजूद जिनका क्षेत्रफल क्रमशरू 7156 और 9718,10304 हैक्टेयर है ।इन जगहों पर हो रहे निर्माण कार्य देखने के बाद मिलता है।जिसमे सैकड़ो की तादात में बांज व अन्य प्रजाति के पेड़ों का पातन भवनों के निर्माण के लिए किया जा रहा है।और बन बिभाग कहता है कि पेड़ काटे ही नहीं गए।राजस्व रिकॉर्ड में हिमालयी उपजाऊ क्षेत्र में आने वाली यह जमीनें निजी वन क्षेत्र के तौर पर दर्ज हैं।पेड़ काटे जाने व अन्य गतिविधियों में बहुमंजिला इमारतो के निर्माण कर्ताओ के साथ बिभागीय अधिकारियो की भी मिलीभगत सामने आ रही है।

इस इलाके में पर्यावरण कानूनों का उल्लंघन कर न सिर्फ इनके जरिए जेसीबी व अन्य मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि निर्माण गतिविधि के जरिए हिमालय की पारिस्थितिकी को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जंगल को काट कर वन रहे अनेक बहुमंजिला भवनों के स्थलीय तस्वीरों से लगाया जा सकता है।जिस स्थान पर 2005 से लेकर 2014 तक भयंकर जंगल था वहाँ आज पेड़ो का नामोनिशान नहीं वे पेड़ कहा गए ? इसका जबाब न बन बिभाग के पास है नहीं जिला प्रसासन के पास लेकिन गूगल मैप के जरिये ली गई ये तस्वीरे बहुत कुछ कह रही है।जिसमे भारी मात्रा में पेड़ो का काटा जाना साफ प्रतीत हो रहा है।बन बिभाग की भूमिका पर सवाल इसलिए भी उठ रहे है कि मात्र कुछ पेड़ो के काटे जाने के जुर्म दर्ज कर चालान किया गया है ।जबकि हकीकत कुछ और है। सवाल यह भी है कि अगर इस स्थान पर पेड़ नहीं थे तो गूगल मैप में 2005 से 2010 तक क्यों जंगल दिख रहा है? और यदि पेड़ थे तो वे गए कहाँ ?

पर्यावरण कानून को धता बता जंगल काट बन रहे बहुमंजिला इमारतें

नरेन्द्रनगर निवासी बन पर्यावरण के सदस्य उत्तम राणा कहते है की जिस स्थान पर इन अनेक भवनों का निर्माण किया जा रहा है।वहाँ पर सैकड़ो की तादात में छोटे बड़े पेड़ थे जिनको काट दिया गया।राणा के मुताबिक कई बार शिकायते अधिकारियो को की गई लेकिन कुछ नहीं निर्माणकर्ताओं की बड़ी पहुच के कारण शिकायतों पर लीपापोती की गई ।इन निर्माण में कारण बांज के पेड़ो की कटाई से जल श्रोत भी सूखने लगे है इस छेत्र में पांच जल स्त्रोत है जो की पूरे नरेंद्र नगर को जलापूर्ति करते है लेकिन अब उनमे पानी की मात्रा कम हो गई है।इस सबके लिए इन बहुमंजिला भवनों के निर्माणकर्ताओ के साथ जंगलात बिभाग भी पूरी तरह से सवालो के घेरे में है। होटल निर्माण में लगी जेसीबी रात दिन कार्य कर रही है।

बाचस्पति रयाल, राजेन्द्र सिंह कहते है कि बांज के पेड़ो को खोद खोद कर नीचे बड़े बड़े गड्ढे कर दवा दिया जा रहा है। और सबकुछ देखने के बाबजूद बिभाग मौन है।वह कहते है कि प्रशासन द्वारा इस जगह पर इतने बड़े बहुमंजिला इमारतो के निर्माण की अनुमति किस तरह दी गई यह बड़ा प्रश्न है।सुरक्षा और पर्यावरण के हिसाब से खतरनाक भी है क्योकि निर्माणाधीन भवनों के नजदीक ही कुमारखेड़ा गांव में बड़ा भूस्खलन (लैंडस्लाइड) पिछले साल हुवा था जिससे कई लोगो की जाने भी गई। गांव के ग्रामीणों कोअन्यंत्र बिस्तापित किया गया।इस बड़े भू भाग में हो रहे निर्माण से खतरा और बड़ गया है।पेड़ो के अत्यधिक पातन के कारण बरसात में नुकसान होना तय है।हिमालय के उपजाऊ इलाके में करीब 16 हजार हेक्टेयर में फैले निजी वन क्षेत्र में आदेश का उल्लंघन कर पेड़ काटे जा रहे है। इससे न सिर्फ हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचेगा बल्कि पर्यावरण कानूनों का भी यह खुला उल्लंघन है।

सम्मोहित कर ठग लिया सोने का कड़ा

धर्मपुर में कपडे की दुकान में घुसे चोर

देहरादून। राजधानी की नई पुलिस कप्तान व एसपी सिटी के लिए बदमाशों, चोरों व ठगों पर नकेल लगाने के लिए एक बडी चुनौती खडी हो रखी है इस चुनौती पर पुलिस अफसर तभी नकेल लगा सकते हैं जब चंद थाने व चौकियों में अच्छे व दबंग किस्म के दरोगाओं को तैनात किया जायेगा। फिलहाल अपराधियों पर नकेल लगाने के लिए एसओजी भी खाली दिखाई दे रही है और चंद दबंग किस्म के दरोगाओं को जिस तरह से हाशिये पर लाकर खडा किया गया वह नई पुलिस कप्तान के लिए बडा सिरदर्द है और उन्होंने अपराध पर नकेल लगाने के लिए दरोगाओं की तैनाती में भाई-भतीजा वाद अपनाने से अपने को दूर रखा और हाशिये पर लाये गये दरोगाओं को सही तैनाती दी गई तो राजधानी में अपराधियों के नेटवर्क का एक बडा चाबूक चल जायेगा। शहर में कमजोर टीम के चलते ही आज सेंट जॉजफ स्कूल के समीप ठगों ने एक व्यक्ति को सम्मोहित कर उसके हाथ से सोने का कड़ा उडा लिया वहीं धर्मपुर में चोरों ने एक रेडीमेड कपडे की दुकान में धावा बोलकर वहां से सामान उडा लिया। एसपी सिटी ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को चोर व ठगों की तलाश के लिए पुलिस टीमों को मैदान में उतार दिया।

उल्लेखनीय है कि राजधानी में पुलिस कप्तान निवेदिता कुकरेती के लिए अपराधियों पर नकेल लगाने का जहां बडा दायित्व है वहीं यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने की भी उनकी चुनौती है लेकिन पुलिस कप्तान के लिए सबसे बडा सिरदर्द यह भी है कि चंद समय पूर्व कुछ चौकी व थाना प्रभारियों की पोस्टिंग हुई उसमें चंद दबंग किस्म के दरोगाओं को हाशिये पर लाकर खडा कर दिया गया और उसी के चलते राजधानी में पुलिस की कुछ टीम काफी कमजोर नजर आ रही है इसके चलते शहर व देहात इलाकों में अपराधियों पर नकेल लगाना पुलिस कप्तान के लिए बहुत बडा चैलेंज है। शहर के नये एसपी सिटी प्रदीप राय भी शहर की फिजा को खंगालने में लगे हैं और वह चाहते हैं कि शहर में अपराधियों पर बडी नकेल लगाई जाये जिससे कि ना तो कोई सडकों पर लूट का शिकार हो पाये और ना ही कोई दुकानदार चोरों का निशाना बन पाये। आज सेंट जॉजफस्कूल के पास 90 वर्षीय एक व्यक्ति को सम्मोहित कर ठगों ने उनके हाथ से सोने का कडा उडा लिया। वहीं धर्मपुर में एक रेडीमेड कपडे की दुकान में चोरों ने धावा बोलकर वहां से हजारों के कपडे चोरी कर लिये। इन दोनो वारदातों का पता चलते ही एसपी सिटी खुद मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को अपराधियों की खोजबीन के आदेश दिये। एसपी सिटी प्रदीप राय का कहना है कि थाने व चौकियों में तैनात दरोगाओं के काम का आंकलन किया जायेगा और दबंग और काम करने वाले दरोगाओं को तैनात करने के लिए रणनीति बनेगी।

आईएमए की परेड को लेकर

अफसरों ने बनाया सुरक्षा का खाका

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी की होने वाली दीक्षांत परेड की तैयारियों को लेकर आज सेना व पुलिस अफसरों के बीच सुरक्षा के खाके को लेकर लम्बा मंथन हुआ और यह साफकर दिया गया कि बिना पास के कोई भी व्यक्ति आईएमए के अन्दर प्रवेश न कर पाये। जम्मू-कश्मीर में सेना के ठिकानों पर हो रहे आतंकी हमलों को देखते हुए दीक्षांत परेड में सुरक्षा का कडा पहरा लगाने का प्लान तैयार किया गया है।

भारतीय सैन्य अकादमी की दस जून को होने वाली दीक्षांत परेड की तैयारियों को लेकर आज सेना व पुलिस अफसरों के बीच लम्बा चिंतन मनन हुआ। सेना के अफसरों ने पुलिस व खुफिया विभाग के अधिकारियों को बताया कि अकादमी के आस-पास लगने वाले इलाकों में संदिग्धों की खोजबीन का ऑपरेशन चलाया जाये और हाल ही में कौन-कौन लोग अकादमी के आस-पास आकर बसे हैं तथा किराये पर कमरा लिया है उनकी छानबीन व उनके बारे में जानकारियां हासिल की जाये तथा परेड को देखते हुए कहां-कहां यातायात डायवर्ट करना है इसके लिए अभी से ही पूरा प्लान तैयार कर लिया जाये जिससे कि परेड के दौरान कोई भी समस्या न आये। बैठक में इस बात के लिए भी मंथन किया गया कि आईएमए की परेड में कोई भी व्यक्ति बिना पास के अकादमी के अन्दर प्रवेश न कर पाये। पुलिस अफसरों को बताया गया कि वह डयूटी प्वांइट पुलिसकर्मियों को अपने आसपास संदिग्धों पर भी कडी नजर रखने के लिए आदेशित करें जिससे कि दीक्षांत परेड को सकुशल सम्पन्न कराया जा सके। बैठक में एसपी सिटी प्रदीप राय, एसपी ट्रैफिक धीरेन्द्र गुंज्याल व खुफिया विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

सम्पादकीय

वाह री सरकार

उत्तराखण्ड में प्रचंड बहुमत वाली सरकार के मुखिया त्रिवेन्द्र रावत ने राज्य में शराब विरोधी आन्दोलन की भड़कती आग को देखते हुए एलान किया था कि सरकार शराब के राजस्व पर निर्भर नहीं रहेगी और राज्य से धीरे-धीरे शराब को कम किया जायेगा लेकिन उनका यह फरमान उस समय चारो खाने चित हो गया जब सरकार ने पूरे प्रदेश में शराब की बिक्री करने का जिम्मा डीएम को सौंप दिया और सरकार ने जिस तरह से दुगना राजस्व शराब पॉलिसी के लिए रखा है उससे साफनजर आ रहा है कि राज्य शराबबंदी की ओर नहीं बल्कि खुलकर शराब की बिक्री कराने पर अपना ध्यान केन्द्रित किये हुए है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिरकार सरकार बार-बार शराब को लेकर अपने वायदे से क्यों मुकरती जा रही है। उत्तराखण्ड देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां की सरकार ने पहाड़ व मैदान के लिए अलग-अलग शराब पॉलिसी तय की है। सरकार ने पहाड़ों में दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक शराब की बिक्री करने के लिए हरी झण्डी दी है तो वहीं मैदानी जिलों में सुबह 10 बजे से रात के 10 बजे तक शराब की दुकाने खुली रखने का आदेश पारित किया है। पहाड़ों में शराब की बिक्री होने पर सैकडों महिलायें आन्दोलनरत् हैं और वह पहाड़ों में शराब की बिक्री बंद होने के लिए सड़कों पर उतरी हुई हैं और पहाड़ के कई जिलों में तो वह शराब के ठेके भी नहीं खुलने दे रही ऐसे में जहां सरकार को शराबबंदी की ओर अपने कदम बढाने के लिए आगे आना चाहिए था वही सरकार ने फरमान जारी कर दिया कि पांच पहाडी जिलों में अब देशी शराब की भी बिक्री होगी। सरकार के इस फैसले से आन्दोलन कर रही महिलाओं को एक बडा झटका लगा है और यह सवाल खडे हो रहे हैं कि एक ओर तो शराब की बिक्री पर लगे 2 प्रतिशत सेस में से एक 1 प्रतिशत सेस महिलाओं के उत्थान में लगाये जाने के दावे किये जा रहे हैं वहीं सरकार ने राज्य बनने के बाद से पांच पहाड़ी जिलों में अब देशी शराब के ठेके खोलने का जिस तरह से दम भरा है वह साफ दर्शा रहा है कि सरकार की मंशा राज्य में शराबबंदी के लिए कदम आगे बढ़ाना नहीं बल्कि पहाड़ी जिलों में भी शराब को और बढावा देने का मनसूबा पलने लगा है इसी का नतीजा है कि अब पांच पहाड़ी जिलों में देशी शराब के ठेके खुलेंगे ऐसे में अब मातृशक्ति यही नारा दे रही है कि ''वाह री सरकार''।

गलत शपथ पत्र देने वालों पर हो कार्यवाही

नगर संवाददाता

देहरादून। ऑल उत्तराखंड परेन्टस एसोसिएशन ने केन्द्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल के नेतृत्व में केदारधाम आपदा 2013 के समय कतिपय अपात्र व्यक्तियों द्वारा गलत शपथ पत्र प्रस्तुत कर राहत राशि प्राप्त करके सरकारी खजाने को भारी भरकम क्षति पहुंचाई है और पूर्व सरकार के मंत्रीमंडल द्वारा उस मामले को दबा दिया गया है और इस सबंध में एक ज्ञापन प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार को भेजा है।

यहां जारी एक बयान में सिंघल ने बताया कि शासनादेश संख्या चार मार्च 14 के क्रम में जिला प्रशासन रूद्रप्रयाग के समक्ष राहत राशि वितरण के पश्चात स्थानीय स्तर पर कतिपय शिकायतें प्राप्त हुई की 2909 व्यापारियों की सामग्री क्षति की स्व मूल्यांकन सूची में तथा कथित रूप से सम्मिलित कतिपय अपात्र व्यक्तियों द्वारा गलत शपथ पत्र प्रस्तुत कर राहत राशि प्राप्त की गई है कि जांच अधिकारी रूद्रप्रयाग द्वारा कराई गई।

उनका कहना है कि जांचोंपरांत जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग द्वारा शासन को प्रेषित अपने पत्र तीन नवम्बर 14 द्वारा कुल तीस व्यापारियों, जो यद्यपि आपदा के समय प्रभावित क्षेत्र में व्यवसायरत थे, किन्तु 16-17 जून 13 की दैवीय आपदा में उनकी सामग्री की क्षति होने की पुष्टि जांच में नहीं हुई के विरूद्ध गलत तथ्य प्रस्तुत कर अपना नाम व्यापारियों की सामग्री की क्षति संबंधी स्व मूल्यांकन आधारित सूचियों में सम्मिलित कराये जाने तथा गलत शपथ पत्र प्रस्तुत कर रूपये 30.87 लाख रूपये आपदा राहत राशि प्राप्त करने के क्रम में वसूली की संस्तुति करते हुए प्रकरण शासन के संज्ञान में लाया गया।

उनका कहना है कि उक्त के क्रम में मंत्रीमंडल द्वारा प्रकरण पर निर्णय लिया गया कि उक्त तीस व्यापारियों से जनपद की संकटग्रस्त आर्थिक स्थिति के दृष्टिगत वसूली न करते हुए संबंधित धनराशि का समायोजन मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भी किया गया है।

उनका कहना है कि उक्त तीस भ्रष्ट आचरण के व्यापारियों के खिलाफ कार्य करने तथा तत्कालीन मंत्रीमंडल द्वारा किस आधार पर जनपद की संकटग्रस्त स्थिति में वसूली न कर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से तीस लाख सत्तसी हजार रूपये की धनराशि समायोजन करने का निर्णय लिया और शासनादेश के विपरित मंत्रीमंडल द्वारा लिये गये निर्णय को खारिज किया गया अथवा नहीं की जांच करवाकर उत्तराखंड की आपदा पीड़ित जनता को न्याय दिलाये जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का अधिशासी अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन

नगर संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने वार्ड 59 बल्लूपुर कैंट विधानसभा के अंतर्गत इन्द्र विहार व कैलाशपुरी की सीवरेज कार्य के उपरांत सड़क निर्माण कराये जाने की मांग को लेकर कौलागढ़ रोड स्थित अधिशासी अभियंता पेयजल निगम के कार्यालय पर प्रदर्शन किया और कहा कि शीघ्र ही इस ओर किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई तो आंदोलन को तेज किया जायेगा।

यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता प्रदेश सचिव दीप वोहरा के नेतृत्व में कौलागढ़ रोड स्थित जल निगम के अधिशासी अभियंता कार्यालय में इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने वार्ड 59 बल्लूपुर कैंट विधानसभा के अंतर्गत इन्द्र विहार व कैलाशपुरी की सीवरेज कार्य के उपरांत सड़क निर्माण कराये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और कहा कि शीघ्र ही इस ओर किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई तो आंदोलन को तेज किया जायेगा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पूर्व में भी अवगत कराये जाने के बाद आज तक इस ओर किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

वक्ताओं ने कहा कि पेयजल विभाग द्वारा इन्द्र विहार व कैलाशपुर वार्ड 59 बल्लूपुर में सीवरेज का कार्य कराया गया जो कि पूर्ण हो चुका है व सड़क निर्माण का कार्य शेष है और सड़ न बनने से जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यहां पर गाड़ी चलाना भी मुश्किल हो गया है और सड़कों पर गढढे ही गढढे है।

वक्ताओं का कहना है कि शीघ्र ही यहां पर सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो जनांदोलन किया जायेगा। उनका कहना है कि इस ओर उचित कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता हे। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता ने उचित कार्यवाही करने का भरोसा दिया। इस अवसर पर प्रदर्शन करने वालों में अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल थे।

तीर्थनगरी में बढ़ता जहरखुरानी गिरोह का आतंक

ऋषिकेश। जहर खुरानी गिरोह का आतंक लगातार बड़ता जा रहा है। उत्तराखण्ड के भोले भाले और मासूम लोग गिरोह का सोफ्ट टारगेट बने हुए हैं। अधिकांश मामलो मे उत्तर प्रदेश के खतौली एवं अन्य शहरो मे गिरोह द्वारा घटनाओं को अंजाम दिया जाता रहा है।होश आने पर पीड़ित उत्तराखण्ड के शहरो के सरकारी अस्पताल मे खुद को पाता है।होश आने पर उसके पेरो तले जमीन तब खिसकती है जब उसे पता चलता है कि उसकी गाड़ी कमाई बस मे सहयात्री बनकर प्रेम जता रहा जहरखुरानी गिरोह का सदस्य लूट चुका है।

उलेखनीय है कि बसों मे पिछले कई सालों से जहरखुरानी गिरोह की सक्रियता लगातार बनी हुई है।इस तरह की घटनाओं पर नजर दोड़ाए तो अस्सी फीसदी से ज्यादा पहाड़ी मूल के लोग ही अपने सीधेपन के चलते गिरोह के झांसे मे आकर शिकार बनते रहे हैं।इस तरह की घटनाओं मे अक्सर पुलिस बस अस्पताल तक पीड़ित को पहुंचाकर ही पल्ला झाड़ लेती है।मुकदमा दर्ज न हो पाने की वजह से जहर खुरानी गिरोह पर कारवाई नही हो पाती ओर वह बेखोफ होकर घटनाओं को अजांम देते रहते हैं।तीर्थ नगरी मे भी वर्षो से इस तरह की वारदातें प्रकाश मे आती रही हैं।लेकिन कड़वी सच्चाई यह भी है कि पुलिस इस तरह की घटनाओ की रिपोर्ट दर्ज करने से सदैव बचती रही है जिसकी वजह से जहर खुरानी गिरोह के खिलाफकोई कारवाई नही हो पाती और वह बेखोफ होकर मासूम लोगों को अपनी मीठी बातों के जाँल मे फंसाकर शिकार बनाते रहते हैं। इन सबके बीच बड़ा सवाल यही है कि इस तरह के ताबड़ तोड़ मामलों के प्रकाश मे आने के बावजूद पुलिस प्रशासन संवेदनहीन क्यूँ बना हुआ है

विधि विधान से पूजा कर किया भंडारा

देहरादून। भारतीय गोर्खा उपजातीय समन्वय समिति के तत्वावधान में माताश्री भद्रकाली डाटवाली में विधि विधान से पूजा अर्चना, हवन व कीर्तन कर भंडारे का आयोजन किया गया।

यहां जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष कमल कुमार ने बताया कि श्री भद्रकाली माता मंदिर की स्थापना 1804 ईस्वी में सेनानायक वीर बलभद्र कुंवर ने किया था और भारतीय गोर्खा उपजातीय समन्वय समिति द्वारा 2014 से लगातार प्रत्येक वर्ष मई माह में भंडारे का आयोजन किया जाता है, बाद में जाकर इस मंदिर का तामपत्र वीर बलभद्र कुंवर श्री नायक शूरवीर गुसांई को दिया गया जो उनके वंशज में सुरक्षित है। इस अवसर पर समिति के अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

-: कार्यालय पता :-
विंडलास शौपिंग काम्पलैक्स
(एमबैस्डर होटल)
शॉप नं. 38, नियर
धारा चौकी, देहरादून (यू.के.)

5 मिनट तेल मालिश के हैं इतने सारे बेहतरीन फायदे

मालिश करने से शरीर त्वचा के सभी बंद रोम छिद्र खुलने लगतें है। इसके साथ ही त्वचा में रक्त का संचार सुचारू रूप से होने लगता है।

तेल मालिश करना एक आयुर्वेदिक प्रक्रिया है मालिश से हमारे पूरे शरीर में खून का दौरा बढ़ जाता है और पाचन शक्ति तेज हो जाती है, पेट साफ रहता है तथा आंते, दिल, फेफड़े और यकृत आदि शक्तिवान हो जाते है।

इसके अलावा मालिश से शरीर के मृत कोशिकाएं शरीर से बाहर निकल जाते हैं, और उनके स्थान पर नए कोष आज आते है जिसे पूरा शरीर नई शक्ति से भर उठता है।

नियमित रुप से प्रतिदिन तेल की मालिश करने से कम वजन वाले व्यक्ति के शरीर का वजन बढ़ जाता है और बुढ़ापा दूर भागने लगता है।

बहुत से पुराने रोग जैसे कि अपच, वायु पित्त विकार, बवासीर, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप आदि रोगों में मालिश से काफी फायदा होता है। जो व्यक्ति शारीरिक रुप से दुर्बल है और वजन स्वाभाविक रुप से कम है, उनको तेल मालिश करने से बहुत लाभ होता है। उनका शरीर जल्दी-जल्दी तेल सोखने मेंं सक्षम होता है। थोड़े ही दिनोंं के बाद ऐसे लोगोंं का वजन बढ़ने लगता है।

मालिश करने से शरीर त्वचा के सभी बंद रोम क्षिद्र खुलने लगतें है। इसके साथ ही त्वचा में रक्त का संचार सुचारू रूप से होने लगता है।

प्रतिदिन मालिश करने से आपका चेहरा चमकने लगता है। इसके अलावा मालिश करवाने के बजाये मालिश खुद करना भी काफी असरदार होता है। बस इसके लिए आपको मालिश करने का सही तरीका आना चाहिए।

तेल मालिश के फायदे

1. मालिश से त्वचा की मृत कोशिकाएं साफ़ होती हैं और त्वचा को जरुरी पोषण तत्व मिलते हैं जिससे त्वचा चमकदार हो

जाती है।

2. मालिश से त्वचा के नीचे जमे विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं जिससे त्वचा नर्म और मुलायम हो जाती है।

3. मालिश करने से त्वचा पर निखार आता है।

4. मालिश करने से त्वचा पर कील मुँहासे निकलना बंद हो जाते हैं।

आयुर्वेदिक मालिश चक्रों के आधार पर होती है

मनुष्य के शरीर में कुल मिलाकर 114 चक्र हैं। वैसे तो शरीर में इससे कहीं ज्यादा चक्र हैं, लेकिन इनमें114 चक्र मुख्य हैं। यही चक्र हमारे शरीर को संतुलित रखते है। आयुर्वेद में इन्ही चक्रों पर मालिश करने से हमारे शरीर स्वस्थ और सुंदर बना रहता है। यही नहीं मालिश से शरीर में हार्मोन भी संतुलित रहते हैं जिससे त्वचा का रंग निखरता है।

स्वीडिश मसाज

इस प्रकार की मालिश में मांसपेशीय की मालिश होती हैं जिससे त्वचा में लचीलापन आता है। स्वीडिश मसाज में मांसपेशियों में तनाव ठीक किया जाता है। इसके पांच तरीकों से मांसपेशियों और त्वचा को आराम दिया जाता है।

थाई मसाज

इस प्रकार की मालिश से शरीर में खिचाव दे कर मालिश की जाती है। जिससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है और शरीर में स्फूर्ति आती है।

उबटन

भारतीय परम्परा में उबटन का इस्तेमाल प्राचीन काल से चला आ रहा है। जिसमें तेल मालिश के बाद बेसन, हल्दी, चंदन, दूध, गुलाब जल, और कपूर डाल कर बनाया जाता है। इसके लिए पहले त्वचा के रोम छिद्र को खोला जाता है और फिर मृत त्वचा को रगड़ कर साफ़ किया जाता है।

अभ्यंग

जब व्यक्ति अपने शरीर की मालिश गर्म तेल से खुद करता है तो उसे अभ्यंग कहते हैं। इससे बाल मजबूत होते हैं और त्वचा पर चमक आती है। अभ्यंग के बारे में यह भी कहा जाता है कि इसे करने से त्वचा और स्वास्थ्य की बहुत सारी समस्याएं ठीक हो जाती हैं।

अभ्यंग करने का तरीका

1. इसके लिए अपनी पसंद का तेल गर्म करें और उसमें कुछ बूँदें खुशबूदार तेल की मिलाएं। गर्मियों में आप तेल में कपूर भी डाल सकते हैं।

2. सर में मालिश करने से शुरू करें फिर पैरों तक मालिश करें। पेट और कमर में हाथ से सर्क्युलर मोशन में मालिश करें।

3. अपने शरीर के किसी भी हिस्से को ज्यादा मोड़े या दबाव ना डालें। इसके साथ शरीर पर लगी चोट पर भी मालिश करने से बचे।

4. मालिश करने के बाद एक घंटे तक रुके जिससे तेल पूरी तरह त्वचा में रम जाए।

5. इसके बाद गर्म पानी से नहाएं और साबुन का इस्तेमाल ना करें। और अगर करना पड़े तो कम झाग वाले साबुन का इस्तेमाल करें।

6. नहाने के बाद त्वचा को सूखने दें।

अलग अलग तेलों से मालिश

मालिश के लिए इस्तेमाल होने वाले तेलों में एक से दो कैरीअर तेल होते हैं जिसमें खुशबू देने के लिए कुछ इसेन्शल तेल मिलाये जाते हैं। कैरीअर तेल वो होते हैं जिनसे शरीर पर मालिश करने से त्वचा में नमी रहती है साथ ही स्वास्थ भी ठीक होता है। एसेंशियल आयल ज्यादा गुणकारी होते हैं और यह लगाते ही त्वचा में समां जाते हैं इसीलिए तो इनकी कुछ बूंदे ही डाली जाती हैं।

इन तेल से करें मालिश

1.नारियल तेल

गर्मियों में नारियल तेल का इस्तेमाल करना काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके औषधीय गुण आपकी सेहत, सुंदरता और बालों को स्वस्थ बनाए रखते हैं। यह त्वचा और बालों को प्राकृतिक रूप से मुलायम और चमकीला बनाता है। त्वचा को मॉस्चराइज करना हो या बालों की कंडीशनिंग, नारियल तेल सबसे अच्छा विकल्प है।

2.सरसों का तेल

सरसों के तेल में विटामिन ई होता है जिससे दाग धब्बे और मुँहासे ठीक होने लगते हैं।

इससे त्वचा का रंग साफ़ होने लगता है साथ ही त्वचा में चमक आने लगती है। इसे उबटन में भी इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि यह मृत कोशिकाओं को साफ़ करके त्वचा को मुलायम बनता है।

सी एस टी: कूलिंग के लिए पर्यावरण के अनुकूल एक बेहतर विकल्प

किसी भी स्थान को ठंडा करना और प्रशीतन में बहुत अधिक ऊर्जा की खपत करने वाली प्रक्रिया है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्राय: दिन के समय कूलिंग की आवश्यकता होती है जब सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होती है। हमारे देश के लगभग हर भाग में वर्ष भर सूर्य की रौशनी होती है , जिसके कारण कूलिंग संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा आधारित तकनीक एक बेहतर और उपयुक्त विकल्प है।

प्रति दिन लगभग 5.7गौध्32 क्षमता के साथ सौर ऊर्जा देश में सबसे उपयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा का स्रोत है। कूलिंग के लिए व्यावसायिक स्तर पर उपलब्ध सभी वेपर एब्जॉर्पशन मशीन (वी ए एम) और वेपर कम्प्रेशन मशीन (वी सी एम) आधारित प्रणालियों को सौर ऊर्जा की मदद से चलाया जा सकता है। वी सी एम प्रणाली का रेंज 1 टन से शुरू होता है, जबकि वी ए एम प्रणाली का रेंज ३० टन से आरंभ होता है। आम तौर सोलर कूलिंग प्रणाली विभिनन क्षेत्रों में सभी प्रकार के स्पेस कूलिंग और रेफ्रिजेरेशन के साथ-साथ औद्योगिक भण्डारण के लिए यह सौर कूलिंग तकनीक बहुत मददगार साहिवत हो रही है। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और संस्थानों में , जहाँ अक्सर पावर कट होता है और डी जी सेट का प्रयोग करना पड़ता है वाहाँ स्पेस कूलिंग के लिए यह तकनीक अत्यंत उपयोगी है।

आज हमारे पास नन-इमेजिंग कंसंट्रेटर से लेकर परैबलॉइड डिश वाले विकल्प उपलब्ध हैं जो या तो स्थिर या डुअल एक्सिस ट्रैकिंग की क्षमता वाले हो सकते हैं। ये विभिन्न कार्यक्षमता वाले वी ए एम का उपयोग कर आसानी से आवश्यकता के अनुरूप कूलिंग कर सकते हैं। देश के बहुत से बड़े और मध्यम आकार के संस्थान जैसे- मैग्नेटी मारेली, हरियाणा; एन टी पी सी, उत्तरप्रदेश; एन पी सी आई एल, राजस्थान; महिन्द्रा वेहिकल, महाराष्ट्र; सदर अस्पताल, थाने; टी वी एस सूज़ुकी, चेन्नई; मुन्नी सेवाश्रम, वडोदरा और स्वीस दूतावास, दिल्ली में सोलर वातानुकूलन प्रणाली लगाये गये है और वे बखूबी इस तकनीक का लाभ उठा रहे हैं। इन जगहों पर कूलिंग की क्षमता ३० टी आर से २०० टी आर तक है।

सोलर कूलिंग प्रणाली के उपयोग से पेट्रोलियम ईंधन की खपत कम होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। अनुमान के मुताबिक १०० वर्गमीटर डिश से ५०००-१००००लीटर प्रतिवर्ष डीजल की बचत हो सकती है, अगर सूरज की रोशनी निरंतर उपलब्ध हो। इसके अलावा कार्बन डाय ऑक्साइड के उत्सर्जन में भी भारी कमी होती है।

मंत्रालय में निदेशक/वैज्ञानिक पद पर कार्यरत डा. आर पी गोस्वामी का कहना है, '' सोलर कूलिंग के अपनाने से भारत में पावर की उपलब्धता पर बहुत फर्क़ पड़ेगा क्योंकि लगभग ३५००० मेगावाट (अनुमानित) बिजली केवल वातानुकूलन के लिए खपत होती है। इसके लिए आमतौर पर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत का उपयोग होता है और जहाँ इसकी उपलब्धता कम हो वहाँ डीजल जेनेरेटर सेट का उपयोग किया जाता है। डी जी से सेट में बहुत अधिक मात्रा में डीजल की खपत के साथ-साथ ध्वनि एवं वायु प्रदूषण भी होता है। इसलिए ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए और प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए सोलर कूलिंग तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए और पूरे देश में इसका प्रचार-प्रसार करना चाहिए। उच्च क्षमता वाले संस्थानों , व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, जो प्राय: दिन में काम करते हैं, के लिए सोलर कूलिंग प्रणाली बहुत ही उपयोगी है।''

मंत्रालय के, सी एस टी के राष्ट्रीय परियोजना प्रबंधक डा. ए के सिंघल का मानना है कि '' भारत में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और इसकी मदद से फॉसिल ईंधन पर हमारी निर्भरता कम होगी। सौर एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा तथा इनसे जुड़े तकनीकों में आई प्रगति और इसके बारे में जानकारी बढ़ने के कारण ये खनिज ईंधन के विकल्प के तौर पर तेजी से उभर रहे हैं क्योंकि खनिज तेलों के उपयोग से बढ़ रहे प्रदूषण स्तर को देखते हुए स्वच्छ ईंधन के वैकल्पिक स्रोत हमारे लिए अनिवार्यता बन गई है। इसके मद्देनजर हमने नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और भण्डारण क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि की है।''

जैसा कि हम जानते हैं कि भारत ने पेरिस के सी ओ पी 21 जलवायु समझौता स्वीकार किया है, यह हमारा दायित्व है कि औद्योगिक प्रदूषण और हानिकारक गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी की जाए। इस संदर्भ में स्वच्छ ईंधन के रूप में सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प है। विशेषकर सी एस टी प्रणाली का विभिन्न उद्योगों में अधिक से अधिक उपयोग इस दिशा में एक सार्थक कदम होगा।

सोलर आधारित कूलिंग प्रणाली से एक तरफ ऊर्जा की उच्च मांग को कम करता है, वहीं हमारी फॉसिल ईंधन पर निर्भरता भी कम करता है।

प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए कार्यशाला पांच से

नगर संवाददाता

देहरादून। नाईन इमोशन मंच के सचिव योगेश भटट ने कहा है कि प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए पांच से 2० जून तक एक कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा, जिसमें एक्टिंग, सिंगिंग सहित मूक अभिनय का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

यहां परेड ग्राउंड स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्राकारों से रूबरू होते हुए भटट ने कहा है कि इस कार्यशाला का आयोजन पांच जून से स्किल्ड विद्यालय दुर्गा विहार बल्लीवाला चौक में किया जायेगा और जिसमें दस वर्ष से लेकर चौबीस वर्ष के छात्र व छात्रायें भागीदारी कर सकते है। उनका कहना है कि इस कार्यशाला में भाग लेने वाले पन्द्रह छात्रों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है और लगभग बीस और छात्रों के भाग लेने की संभावना है। उनका कहना है कि कार्यशाला में अभिनय, मूक अभिनय के साथ साथ मूवी मेकिंग के गुर विशेष रूप से सिखाये जायेंगें।

उनका कहना है कि मूक अभिनय एवं थिएटर के अंतर्गत भागीदारों को मूक अभिनय आंगिक अभिनय, पात्र निर्माण से अवगत कराया जायेगा और कार्यशाला के अंत में सभी से एक मंच प्रस्तुति कराई जायेगी।

उनका कहना है कि लघु फिल्म निर्माण के अंतर्गत कहानी, लेखक, कैमरा, तकनीकी एडिटिंग तथा फिल्म से संबंधित अन्य क्रियाकलापों से अवगत कराया जायेगा और विद्यार्थियों से लघु फिल्म निर्माण कराया जायेगा।

नेशनल माइम इंस्टीटयूट के चेयरमैन गुरू पदमश्री निरंजन गोस्वामी द्वारा माइम से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा तथा नेशनल अवार्ड विनर राजाश्री द्वारा एक वर्ष का मूवी मेकिंग डिप्लोमा प्राप्त किया हुआ है और कोलकाता में मूक अभिनय की डिग्री प्राप्त कर अब वह दून के बाल ककारों व युवा कलाकारों को अभिनय के गुर सिखायेंगें।

उनका कहना है कि दून में मूक अभिनय को कार्यशाला प्रथम बार नाईन इमोशन के द्वारा चलाई जा रही है। उनका कहना है कि इसके लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगें। इस अवसर पर मंच के अनेक सदस्य मौजूद थे।

चंद दरोगाओं को बनाया चौकी प्रभारी

पुलिस कप्तान ने कुछ समय से खाली पडी चौकियों में दरोगाओं को तैनात कर अपराधों पर नकेल लगाने के लिए उन्हें मैदान में उतारा है।

आज पुलिस कप्तान ने उप-निरीक्षक शमशेर अली थाना विकासनगर से चौकी प्रभारी डाकपत्थर विकासनगर, उप-निरीक्षक नीलाभ खाली पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी बाजार थाना विकासनगर, उप-निरीक्षक बृजपाल सिंह थाना बसन्तविहार से चौकी प्रभारी हर्रावाला डोईवाला, उप-निरीक्षक धनराज बिष्ट थाना कैन्ट से चौकी प्रभारी कुल्हाल थाना विकासनगर, उप-निरीक्षक उमेश कुमार पुलिस लाईन से थाना कैन्ट में तैनात किया है।

डॉ.सुजाता संजय के कीर्तिमान इंडिया बुक ऑफरिकार्डस में शामिल

नगर संवाददाता

देहरादून। संजय ऑर्थोपीडिक, स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर, देहरादून उत्तराखंड की प्रसिद्व स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता संजय द्वारा किये गये कार्यो को इंडिया बुक ऑफरिकार्डस में सम्मिलित किया गया। डा. सुजाता संजय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

यहां परेड ग्राउंड स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू होते हुए डॉ० सुजाता संजय द्वारा 5 साल की अवधि में 187 से भी अधिक नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविरों द्वारा पॉच हजार पॉच सौ से भी अधिक मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिया। उनका कहना है कि जिसको कि इंडिया बुक ऑफरिकार्डस ने अपनी आई. बी. आर. 2०17 में शामिल किया। डॉ. सुजाता संजय ने बताया कि हमारे राज्य की महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति को ठीक करने के लिए वर्ष 2०1० में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर करने का ध्यैय किया।

उनका मानना है कि महिलाऐं अपने घर-परिवार की देखरेख एवं पारिवारिक समस्याओं के चलते अपने स्वास्थ्य को अनदेखा कर देती है जिसकी वजह से उनको शारीरिक परेशानियॉ घेर लेती है। इसको देखते हुए मैंने देहरादून के आसपास एवं पहाडी क्षेत्रों में जाकर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉ. सुजाता संजय ने अप्रैल 2०15 से लेकर सितम्बर 2०16 तक मात्र 17 महीने में 76 से भी अधिक रेडियो पर अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम किये। यह देश की एकमात्र स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ है जिन्होंने केवल महिलाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम किये है जिसको कि इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड ने आई. बी. आर. 2०17 में सम्मिलित किया है। डॉ. सुजाता संजय का मानना है कि अभी भी सरकार द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना कठिन कार्य है। जिसको देखते हुए उन्होंने रेडियो के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया। कभी-कभी महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याऐं बहुत मामूली होती है लेकिन डॉक्टर की अनुपस्थिति या स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से वह अपना इलाज नहीं करा पाती, जिससे कि यह मामूली रोग विकराल रूप ले लेता हैं।

डॉ. सुजाता संजय रेडियो के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कराती है तथा एस.एम.एस. व दूरभाष के जरिये महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं को सूनकर एवं जानकर रेडियो के माध्यम से स्वास्थ्य परामर्श देती है।

डॉ. सुजाता संजय प्रदेश की एकमात्र स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ हैं जिन्होंने वर्ष 2०12 में एक गुर्दा प्रत्यारोपित महिला का सफलतापूर्वक प्रसव कराने का श्रेय प्राप्त किया था। डॉ. सुजाता संजय ने मात्र 32 वर्ष की आयु में यह कीर्तिमान हासिल किया। उन्होंने बताया कि ऐसी महिलाऐं ज्यादातर गर्भधारण नहीं कर पाती। अगर कोई महिला गर्भधारण करती भी है तो शोध के अनुसार पाया गया है कि 5० प्रतिशत महिलाऐं ही सफलतापूर्वक प्रसव कर पाती है। एक ऐसी ही महिला को डॉ० सुजाता संजय ने अपने बुद्धि विवेक एवं अनुभव के आधार से इस महिला का कुशलतापूर्वक प्रसव कराया।

पर्यटन विभाग के कार्मिकों का धरना-प्रदर्शन

नगर संवाददाता

देहरादून। पर्यटन विभाग के कार्मिकों ने अपनी न्यायोचित मांगों के समाधान के लिए तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार करते हुए प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गये। उनका कहना हे कि शीघ्र ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को तेज किया जायेगा।

यहां गढ़ी कैंट स्थित पर्यटन निदेशालय में बड़ी संख्या में कार्मिक इकटठा हुए और उन्होंने अपनी न्यायोचित मांगों के समाधान के लिए कार्य बहिष्कार करते हुए धरना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर वक्ताओं का कहना है कि पर्यटन परिषद में बैकडोर तथा पुनर्नियुक्ति सेवा विस्तार पर तत्काल रोक लगार नि:संवर्गीय पदों की संरचना पर भी तत्काल प्रभाव से रोक लगाये जाने की आवश्यकता है। उनका कहना है कि पर्यटन विभाग में मिनिस्ट्रीयल संवर्ग, लेखा संवर्ग का पुनर्गठन किया जाना चाहिए और परिषद के नियमानुसार अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति की जाये, उनका कहना है कि उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की समूह ग व घ की नियमावली लागू कराना तथा समूह क व ख की सेवा नियमावली का संशोधन करने की जरूरत है और परिषद को तत्काल इस दिशा में कार्यवाही करने की जरूरत है। उनका कहना है कि पर्यटन निदेशालय के समूह ख की सेवा नियमावली के समूह ख की सेवा नियमावली में संशोधन करने की आवश्यकता है। वक्ताओं का कहना है कि पर्यटक अधिकारियों की क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जरूरत है। उनका कहना है कि साहसिक खेल अधिकारी, वरिष्ठ साहसिक खेल अधिकारी के पदों का वेतन बैण्ड, ग्रेड वेतन कैबिनेट की बैठक में लिये गये निर्णयानुसार संशोधित किये जाने की जरूरत है और पर्यटन निदेशालय, पर्यटन विकास परिषद के ढांचे का पुनर्गठन किया जाना चाहिए और राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान, में कायरत अनुदेशकों व प्रवक्ताओं की पदोन्नति तत्काल प्रभाव किये जाने की जरूरत है। वक्ताओं का कहना है कि राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान, अल्मोडा का प्रशासनिक नियंत्रण इसी संस्थान के अधीन किये जाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने की जरूरत है। उनका कहना है कि पर्यटन परिषद के स्वागती व सहायक स्वागती की पदोन्नति तत्काल की जाये, और अन्यथा आंदोलन को जारी रखा जायेगा।

केएसएम फिल्म प्रोडक्शन्स ने पहले प्रोजेक्ट 'नाइट आउट' की घोषणा

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के बॉलीवुड अभिनेता कुनाल शमशेर मल्ला ने केएसएम फिल्म प्रोडक्शन्स व प्रोडक्शन्स के पहली फिल्म 'नाइट आउट' की घोषणा की। उन्होंने बताया कि केएसएम प्रोडक्शन्स ने अपनी पहली मूवी 'नाइट आउट' से शुरूआत कर ली है।

यहां परेड ग्राउंड स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू होते हुए मल्ला ने कहा है कि 'नाइट आउट' फिल्म के डायरेक्टर अजीज जी, एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर सनोबर हेरेकर अजीघ्ज व डी.ओ.पी. मुहम्मद जफर है। उनका कहना है कि यह टीनेज हॉरर थ्रिलर मूवी है। केएसएम फिल्म प्रोडक्शन्स एंड बीएमजी क्रेसेन्डो द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म मनोरोगी भाईयों की कहानी पर आधारित है। केएसएम फिल्म प्रोडक्शन्स के संचालक कुनाल शमशेर मल्ला जबकि बीएमजी क्रेसेन्डो के संचालक सुरेश थॉमस है।

उनका कहना है कि इस फिल्म में मलीहा मल्ला मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मलीहा ने इस मूवी में 'ये कैसी रात है जो' गाना भी गाया है। उनका कहना है कि वर्ष के अंत तक ऑल ओवर इंडिया में यह फिल्म रिलीज होगी। उनका कहना है कि मलीहा मल्ला, यश राजपारा, आदित्य सिंह राजपूत, दुशन्बे राज, मुस्कान तोमर, अपूर्वा गोडबोले, इस फिल्म में अहम किरदारों की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में रोहित मुगलु चोर का किरदार निभाएंगे। कुनाल शमशेर मल्ला हॉलीवुड फिल्म 'देवभूमि लैंड ऑफ गॉड्स', 'वेयर आर वी नाउ' म्यूजिक एलबम 'हर पल' 'से यस टू लव', माजी, दम लगा के हईशा, श्वेत रक्त आदि फिल्मों में एक्टिंग कर चुके है। इस अवसर पर अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

यात्रा सीजन मे भी उपभोगताओ को झेलने पड़ रहे हैं विधुत कट

ऋषिकेश। धर्म नगरी मे सोमवार का दिन लोगों पर बेहद भारी गुजरा।कारण रहा,दिन भर बिजली का गुल रहना।तकनीकि खामियों के चलते शहर के अनेको क्षेत्रों मे विधुत आपूर्ति दिनभर ठप्प रही।तीर्थ नगरी मे यात्रा सीजन के बाबजूद ताबड़तोड़ विधुत कट लगने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।शहर की लचर विधुत व्यवस्था को लेकर भाजपा जिला उपाध्यक्ष कपिल गुप्ता ने आक्रोश जताते हुए व्यवस्था मे शीघ्र सुधार न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

चारधाम यात्रा के मुख्य द्वार ऋषिकेश मे विधुत व्यवस्था बुरी तरह से लड़खड़ा रखी है।नतीजन,शहर वासियो को दिनभर ताबड़तोड़ विधुत कट झेलने पड़ रहे हैं।वर्षभर तकनीकि खामियो का रोना रोते रहने वाले विधुत विभाग के रवैय्ये मे यात्रा काल के दौरान भी कोई बदलाव देखने को नही मिल रहा है।शहर के तमाम क्षेत्रों मे हाईटेंशन वायर बदले जाने के बावजूद उपभोगताओ को विधुत गुल की समस्या से निजात मिलती नजर नही आ रही।शहर मे हल्के अंधड़ के दौरान अक्सर नगर पालिका स्थित विधुत घर 9 से शट डाऊन लिया जा रहा है।समस्या अंधड़ के थमने के बाद भी घंटो तक विधुत आपूर्ति ठप्प रहने की वजह से बनी रहती है। गोरतलब है कि पिछले काफी अर्से से शहर की विधुत व्यवस्था बुरी तरह से लड़खड़ा रखी है।नगर के तमाम क्षेत्रों मे हल्की सी तेज हवा चलने पर भी जर्जर तारों से सभांवित खतरे को देखते हुए विधुत घर से तुरंत शटडाऊन ले लिया जाता है।शहर मे विधुत कटौति को लेकर भाजपा जिला उपाध्यक्ष कपिल गुप्ता ने गहरा आक्रोश जताया है।एक जारी बयान मे भाजपा नेता गुप्ता ने बताया बताया कि यात्रा के मुख्यद्वार ऋषिकेश को प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिह रावत द्वारा विधुत कटौति से मुक्त करने की घोषणा की गई है,लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाहियो और विधुत कर्मियो की हील हवाली की वजह से व्यवस्था मे सुधार नही हो पा रहा है।नगर मे विधुत गुल की समस्या आम आदमी के साथ शहर के व्यापारियों पर भारी पड़ रही है।त्योहारी मोसम मे रोजाना तकनीकी खामियों के चलते लग रहे विधुत कटों से शहर के व्यापार पर गम्भीर असर पड़ना शुरू हो गया है।कहा कि जल्द ही व्यवस्था मे सुधार न होने.पर विभागीय अधिकारियों के कार्यालय पर तालाबंदी कर उनका घेराव किया जायेगा

केदारनाथ में मनमाना किराया वसूलने वाली हेली कंपनियों पर कार्रवाई होगी

भाजपा मुख्यालय पर कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम के बाद मीडिया से रूबरू हुए सीएम

देहरादून। सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि केदारनाथ में मनमाना किराया वसूलने वाली हेली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिकायत के बाद डीएम रुद्रप्रयाग को जांच के आदेश दिए गए हैं। सीएम कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम के बाद मीडिया से रूबरू हुए । देहरादून स्थित भाजपा के प्रांतीय मुख्यालय में सोमवार को कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि केदरघाटी में हेलीकॉप्टर कंपनियों की मनमानी को लेकर शिकायत मिली है। इसे गंभीरता से लिया गया है। रुद्रप्रयाग के डीएम मामले की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट मिलते ही यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने वाली कंपनियों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी। मौसम के मद्देनजर पूरी सरकारी मशीनरी चारधाम यात्रा को लेकर अलर्ट है । जहां पर भी कोई बाधा आ रही है उसको समय रहते दूर किया जा रहा है । कांग्रेस की ओर से आबकारी नीति को लेकर हो रहे हमलों के जवाब में सीएम त्रिवेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी शराब नीति साफ है। सरकार ने दो फीसदी सेस शराब पर लगाया है, जो सड़क सुरक्षा और महिला हितों पर खर्च किया जाएगा।

कहा कि सरकार शराबबंदी के पक्ष में है, लेकिन इसके दुष्परिणाम हमने देखे हैं। बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे वहां हालात सुधरे नहीं हैं। कहा कि धीरे-धीरे शराबबंदी की दिशा में बढ़ जा रहा है उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार पूर्वोत्तर में हुई चीन सीमा से सटे राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में सुरक्षा को लेकर विचार-विमश हुआ। सरकार इसके लिए सीमांत क्षेत्रों के विकास का रोडमैप बनाएगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी से प्रदेश को फायदा होगा। उत्तराखंड कंज्यूमर स्टेट है। इसका सकारात्मक प्रभाव प्रदेश पर पड़ेगा। उन्होंने सामाज कल्याण विभगा से संबंधित छात्रवृत्ति घोटालों को लेकर सिर्फ इतना कहा कि इसपर संज्ञान लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में खनन नहीं होने दिया जाएगा। न ही भूमाफिया, शराब माफिया वन माफिया को पनपने दिया जाएगा। राज्य की प्रत्येक संपदा की की हिफाजत की जाएगी। अगले माह आने जा रहे मानसून के मद्देनजर संबंधित विभागों को अभी से अलर्ट किया गया है। ताकि बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्या उत्पन्न न हो शहर गांव-कस्बों ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह दुरुस्त रहें। किसानों को खरीफकी फसलों की बुवाई के लिए समय से खाद बीज उपलब्ध कराया जाए इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है । जहां पर भी खाद व बीज की उपलब्धता नहीं होगी। वही के अधिकारी के खिलाफसख्त कार्रवाई होगी । यदि बाजार वन क्षेत्रों में मिलावटी बीज खाद बिक्री की शिकायत मिलेगी तो इस ओर सख्त कदम उठाया जाएगा।

अखिल भारत हिन्दू महासभा ने पर्यावरण संरक्षण हेतु लिया संकल्प

ऋषिकेश। अखिल भारत हिन्दू महा सभा की जिला कार्यकारिणी की बैठक वीरभद्र में महा सभा के राष्ट्रीय सचेतक और उत्तराखण्ड प्रभारी स्वामी दामोदरा चार्य की अध्यक्षता में संम्पन्न हुयी।इस आशय की जानकारी देते हुए हिन्दू महा सभा के जिला अध्यक्ष विनोद प्रसाद जुगलान ने बताया कि जिला कार्यकारिणी की बैठक में आज सनातन संस्कृति की रक्षा के साथ-साथ गौ गँगा की रक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गयी। सभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने ध्वनिमत से पर्यावरण संरक्षण हेतु जुलाई माह में वन महोत्सव में अधिकाधिक पेड़ लगाने का भी संकल्प लिया।पर्यावरण जागरूकता हेतु यह निर्णय लिया गया कि पर्यावरण संरक्षण सचेतक और महा सभा के जिलाध्यक्ष विनोद प्रसाद जुगलान के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल जिला वन अधिकारी से भेंट कर वनों के संरक्षण और किसानो को पौधे वितरण करने के सन्दर्भ मिलेगा।

इस अवसर पर रम्भा नदी के संरक्षण हेतु पूर्व में उपजिलाधिकारी ऋषिकेश को दिए गए ज्ञापन पर कार्यवाही न होने पर तहसील का घेराव करने पर भी विचार किया गया। इस अवसर पर महा सभा के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि यदि पर्यावरण संरक्षण समय रहते नही किया गया तो अगली पीढ़ी को भयंकर प्रदूषण झेलना पड़ेगा। इस अवसर पर महा सभा के महासचिव सुरेन्द्र रयाल, सुनील कुटलैहड़िया,आचार्य आशीष नौटियाल, महावीर उपाध्याय, विधिक सलाहकार प्रदीप सकलानी, विमल किशोर भट्ट, ऋषि भट्ट, अनिल बहुगुणा, अर्जुन सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

देश का विकास सिर्फ भाजपा ही कर सकती है: शुक्ला

ऊधमसिंह नगर। उत्तरांचल कालोनी वार्ड 3 में विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि देश का विकास सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। जिस उम्मीद से प्रदेश की जनता ने प्रदेश में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनाई है प्रदेश की त्रिवेंद्र रावत सरकार जनता की उम्मीदों को पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज पूर्ण रूप से अवैध कार्य पर प्रतिबंध है, प्रदेश सरकार के कार्यो से विरोधियो की बोलती बंद हो चुकी हैं। कहा कि किच्छा को विकास के नई ऊंचाई पर ले जाने को प्रयासरत हैं। कालोनी में पहुचने पर कालोनीवासियों ने भव्य स्वागत किया और

स्मृति चिन्ह भेंट किया, कालोनी के पीयुष बिस्ट व भूपेंद्र मेहरा ने प्रदेश स्तर पर खो खो में गोल्ड जीतने पर विधायक शुक्ला ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान विधायक जी की पत्नी शशि शुक्ला, भुवन जोशी, भूपेंद्र नेगी, महेंद्र पाल, हरीश चंद्र पंत, अशोक रघुवंशी, धर्मराज जायसवाल, सभासद सोनू अरोरा, शैल शुक्ला, दया डसीला, श्रीकांत राठौर, मनीष बजाज, नीरज बजाज, नीरज तिवारी, जानकी तिवारी, लालचंद, अंकित सक्सेना, हरीश, अनूप जोशी, वीरेंद्र रावत, अजय सिंह समेत सैकड़ों कालोनीवासी मौजूद थे।

ऋषिकेश डिपो मे कई रूटो पर चल रही हैं खस्ताहाल बसे

ऋषिकेश। पर्यटन नगरी ऋषिकेश डिपो मे बसों का टोट्टा लगातार बना हुआ है।कई रूटो पर तो खस्ताहाल बसों के जरिए ही यात्रियो को सफर करना पड़ रहा है।

अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश की रोडवेज सेवा की और उत्तराखण्ड की त्रिवेन्द्र रावत सरकार की नजरे इनायत नही हो रही हैं। जबकि चारधाम यात्रा के मुख्य द्वार ऋषिकेश मे यात्रा के लिए विभिन्न प्रांतो से श्रद्वालूओ का सैलाब उमड़ रखा है।यात्रा के उफान पर होने की वजह से प्रदेश सरकार का सारा फोकस तीर्थाटन पर आये श्रद्वालूओ को यात्रा के लिए रवाना करने पर लगा हुआ है। बसो की किल्लत को देखते हुए प्रशासन द्वारा रोड़वेज की बसो को भी यात्रा मे झोकां गया है।प्रशासनिक व्यवस्था की वजह से ऋषिकेश की रोड़वेज सेवा प्रभावित हो रखी है।

विडम्बना यह भी है कि ऋषिकेश डिपो की विभिन्न रूटो पर चलने वाली दर्जन भर बसे पहले ही खस्ताहालात मे हैं,जोकि यात्रियो को उनकी मंजिल पर पहुचांने से पहले कभी भी धोखा दे सकती हैं।इन सबके बीच मजेदार बात यह है कि सत्ता की कमान संभालते ही भाजपा सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि राज्य की परिवहन सेवा को हाईटेक बनाया जायेगा।लेकिन सरकार के शुरूवाती दोह माह मे इन दावों को हकीकत मे बदलने के लिए किसी भी तरह की योजना का खाका तक तैयार करने मे सरकार द्वारा कोई पहल नही की गई है।दिलचस्प यह भी है कि पूर्ववर्ती हरदा सरकार के दौरान भाजपा परिवहन सेवा को लेकर सरकार पर हमले बोलती रही है।राज्य मे सत्ता परिवर्तन होने के बाद कयास लगाये जा रहे थे कि भाजपा सरकार परिवहन सेवा हाईटेक करेगी।इसके साथ ही ऋषिकेश डिपो के भी अच्छे दिन आ जाएगें लेकिन फिलहाल तो यह सपना पूरा होता हुआ नजर नही आ रहा है।

इस मिस्ट्री गर्ल के साथ रोमांस करते दिखे रणबीर कपूर

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संजय दत्त की बायोपिक में व्यस्त हैं। इसके साथ ही वो आज कल एक और सुर्खियों की वजह से चर्चा में बने हुए है। जी हां रणबीर कपूर एक मिस्ट्री गर्ल साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं। दोनों की कई बोल्ड तस्वीरें आई, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हालांकि ये मिस्ट्री गर्ल कौन है इस बात का खुलासा अब तक नहीं हो पाया है। तस्वीरों में रणबीर इस लड़की के साथ इंटीमेट होते हुए नजर आ रहे हैं। हाल ही में रणबीर कपूर के अरेंज मैरिज करने की खबरें सामने आई थी। खबर थी कि रणबीर अपनी मां नीतू कपूर के साथ लंदन में लड़की देखने गए थे। लेकिन उनके चाचा रणधीर कपूर ने इन खबरों को सिर्फ अफवाह बताया था।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
सोमवार, 22 मई 2017

नेशनल हाइवे ने ली 5 लोगो की जान

संवाददाता

खैरना- कुमाऊ को जोड़ने वाले हाइवे में छोड़ी करण का काम जोरो में चल रहा है। कई अनियमितताओं के साथ हो रहे काम ने आज पांच लोगो की जान ले ली है । अल्मोड़ा से हल्द्वानी जाने वाली एक बस यू ए 12- 71०8 के ऊपर लोहाली में पहाड़ी से विशालकाय बोल्डर गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहले भी कई बार इस जगह में कई हादसे होते होते बचे है, पर सरकार और प्रशासन ने कभी भी इधर कोई ध्यान नही दिया जिसके कारण आज पांच लोगो की मौत हो गई है।

भवाली थाने के लोहाली खैरना के पास कई महीनो से सड़क चौड़ी कारण का काम चल रहा है। पर आज 2.3० बजे एक बड़े बोल्डर के गिरने से एक बस में सवार यात्रियों में से पांच की मौके पर ही मौत हो गैहै और तीन के हालात गंधीर बताई जा रही है। घायलों को खैरना के स्वस्थ केंद्र में ले जाया गया है।

पहाड़ी से भूस्खलन व चट्टान के गिरने से मिनी बस/टैम्पू टैउ्वलर पर पत्थर गिरने के कारण छडा काकडी घाट खैराना के समीप वाहन संख्या यू.ए.12-71०8 टैम्पू टैउ्वलर को जो कि जागेश्वर से हल्द्वानी जा रही थी पर पहाडी से मलवा पत्थर गिरने से पांच व्यक्तियों व महिलाओं की मौत हो गई जिनकी शिनाख्त रूकमा देवी पत्नी इंदर सिंह, रानी नेगी पत्नी सुखवीर सिंह, श्रीमती गोदामी देवी व दो की शिनाख्त नहीं हो पाई। इस दुर्घटना में तीन घायलों में से दो को सुशीला तिवारी चिकित्सालय हल्द्वानी व एक को सामुहिक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गरमापनी रैफर किया है। बस में 25 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि यह बस कोटद्वार की है जिसका मालिक सत्यानंद भट्ट बताया जा रहा है।

सरकार की गैरसैंण पर 'अग्निपरीक्षा'

बजट सत्र का फैसला होगा कैबिनेट में

देहरादून। उत्तराखण्ड में गैरसैंण को राजधानी व ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाये जाने को लेकर भाजपा व कांग्रेस के बीच

चंद नेता नही चाहते कांग्रेस सरकार की तरह ड्रामेबाजी!

वर्षों से वाक युद्ध चला आ रहा है। विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा व कांग्रेस ने गैरसैंण वासियों की भावनाओं को भुनाने के लिए वहां राजधानी बनाये जाने का राग अलापा था लेकिन जैसे ही उत्तराखण्ड में भाजपा की सरकार आई तो गैरसैंण के मुद्दे पर भाजपा सरकार की एक भी कैबिनेट बैठक में कोई फैसला नहीं लिया गया और ना ही इस मामले को कैबिनेट के अन्दर उछाला गया। अगले माह सरकार का बजट सत्र होना है जिसको देखते हुए साफ नजर आ रहा है कि सरकार अपनी कैबिनेट बैठक में इस बात पर फैसला लेगी कि अगले माह होने वाले बजट सत्र को देहरादून में आयोजित किया जाये या फिर गैरसैंण में? चर्चा यहां तक है कि भाजपा चंद बडे नेताओं का मानना है कि सरकार को पूर्व सरकार की तरह बजट सत्र को लेकर ड्रामेबाजी नहीं करनी चाहिए और बजट सत्र दून में ही आयोजित किया जाये। अब देखने वाली बात होगी कि कैबिनेट में बजट सत्र के आयोजन स्थल को लेकर सरकार क्या फैसला लेगी?

उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार को अस्तित्व में आये दो माह से अधिक का समय हो गया है और अब तक उन्होंने गैरसैंण को लेकर अपने कोई भी पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि विधानसभा चुनाव में गैरसैंण का मुद्दा भाजपा व कांग्रेस ने काफी उछाल कर रखा और दावे किये गये कि अगर उनकी सरकार सत्ता में आई तो गैरसैंण में राजधानी बना देंगे। वहीं भाजपा ने दम भरा था कि अगर राज्य में उनकी सरकार आई तो गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी बना दिया जायेगा। भाजपा सरकार की अब तक लगभग चार कैबिनेट बैठक हो चुकी हैं लेकिन किसी भी कैबिनेट बैठक में सरकार ने गैरसैंण को लेकर अपनी स्थिति साफ नहीं की है जिससे गैरसैंण वासियों के मन में भी एक बडी शंका देखने को मिल रही है कि आखिरकार प्रचंड बहुमत वाली भाजपा सरकार गैरसैंण को लेकर अपना क्या रूख रखेगी। विश्वस्तसूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 24 मई को सरकार की कैबिनेट बैठक होने जा रही है और उसमें पहली बार गैरसैंण का मुद्दा भी उठने की संभावना है। कैबिनेट में यह बात उठेगी कि 12 जून को सरकार का होने वाला बजट सत्र गैरसैंण में आयोजित किया जाये या फिर राजधानी में? कैबिनेट बैठक में भले ही सरकार बजट सत्र को लेकर कोई भी निर्णय ले लेकिन भाजपा के एक बडे पदाधिकारी का साफकहना है कि पूर्व कांग्रेस सरकार की तरह गैरसैंण में बजट सत्र आयोजित न किया जाये क्योंकि कांग्रेस सरकार तो सिर्फड्रामेबाजी के लिए बजट सत्र अलग-अलग जनपदों में करके सरकारी धन का दुरूपयोग करती थी लेकिन अब सरकार को तय करना है कि उसे बजट सत्र देहरादून में आयोजित करना है या फिर गैरसैंण में?

मनचलों से तंग आकर छात्रा सुसाइड नोट लिखकर गायब

पुलिस प्रतिभा को खोजने में जुटी

देहरादून। डीएवी कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा पौडी गढवाल से अपनी बहन के साथ पढने के लिए दून एमकेपी गर्ल्स हॉस्टल में रह रही है आज सुबह उसके कमरे में एक सुसाइड नोट मिला तो कैम्पस में हडकम्प मच गया और छात्रा कैम्पस से गायब हो रखी है जिसके चलते पुलिस की नींद उडी हुई है और जब उसने छात्रा का सुसाइड नोट देखा तो पाया कि छात्रा दो मनचलों से परेशान चल रही थी जिसके चलते उसने सोसाइड नोट लिखकर मौत को गले लगाने की बात कही है। पुलिस के लिए छात्रा को खोजना एक बडी चुनौती बना हुआ है और वह उसे खोजने के लिए लगी हुई है। दोपहर को प्रतिभा की मोबाइल लोकेशन साहिबाबाद आ रही थी।

मिली जानकारी के अनुसार पौडी गढवाल के ग्राम डू मेला मल्ला बीरोखाल जनपद पौडी गढवाल निवासी प्रतिभा नेगी डीएवी कॉलेज में बीए प्रथम की छात्रा है जो अपनी बहन प्रियंका नेगी के साथ एमकेपी गर्ल्स हॉस्टल में निवास करती है आज सुबह सात बजे वह अपने कमरे में सुसाइड नोट लिखकर चली गई। प्रतिभा का सुसाइड नोट जब उसकी बहन को मिला तो उसके पैरो तले जमीन खिसक गई और इसके लिए पुलिस को मौके पर बुलाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब सुसाइड नोट देखा तो उसके भी हाथ-पांव फूल गये और उन्होंने उसकी बहन बातचीत की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सम्भवत: दो युवक प्रतिभा को तंग किया करते थे लेकिन इस बारे में अभी कोई स्थिति साफनही हो पाई हालांकि जिस तरह से प्रतिभा ने सुसाइड नोट में भावुकता के साथ अपनी माता व पिता के लिए संदेश लिखा है उससे यही साफहो रहा है कि प्रतिभा के मन में शायद लम्बे समय से कोई ऐसी बात चुभी हुई थी जिसके चलते उसने आत्महत्या के रास्ते को चुना? हालांकि धारा चौकी प्रभारी विकास रावत व उनकी टीम प्रतिभा को खोजने के लिए लगी हुई थी लेकिन प्रतिभा का कुछ पता न चलने के कारण पुलिस के माथे पर बल पडे हुए थे।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक राजेश शर्मा द्वारा इंटर ग्राफिक प्रिंटर्स, 64-नेशविला रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित, 142 श्रीदेव सुमन नगर बल्लूपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक : राजेश शर्मा मो.- 9897598151, **प्रबंध सम्पादक :** अभिषेक शाही मो.- 9897865003 कानूनी सलाहकार: प्रकाश टी पाल **E-mail ID:** crimestory.dial100@gmail.com नोट: समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन ही होंगे।